मिसेज़ वाओ को कभी गाय नहीं चाहिए थी

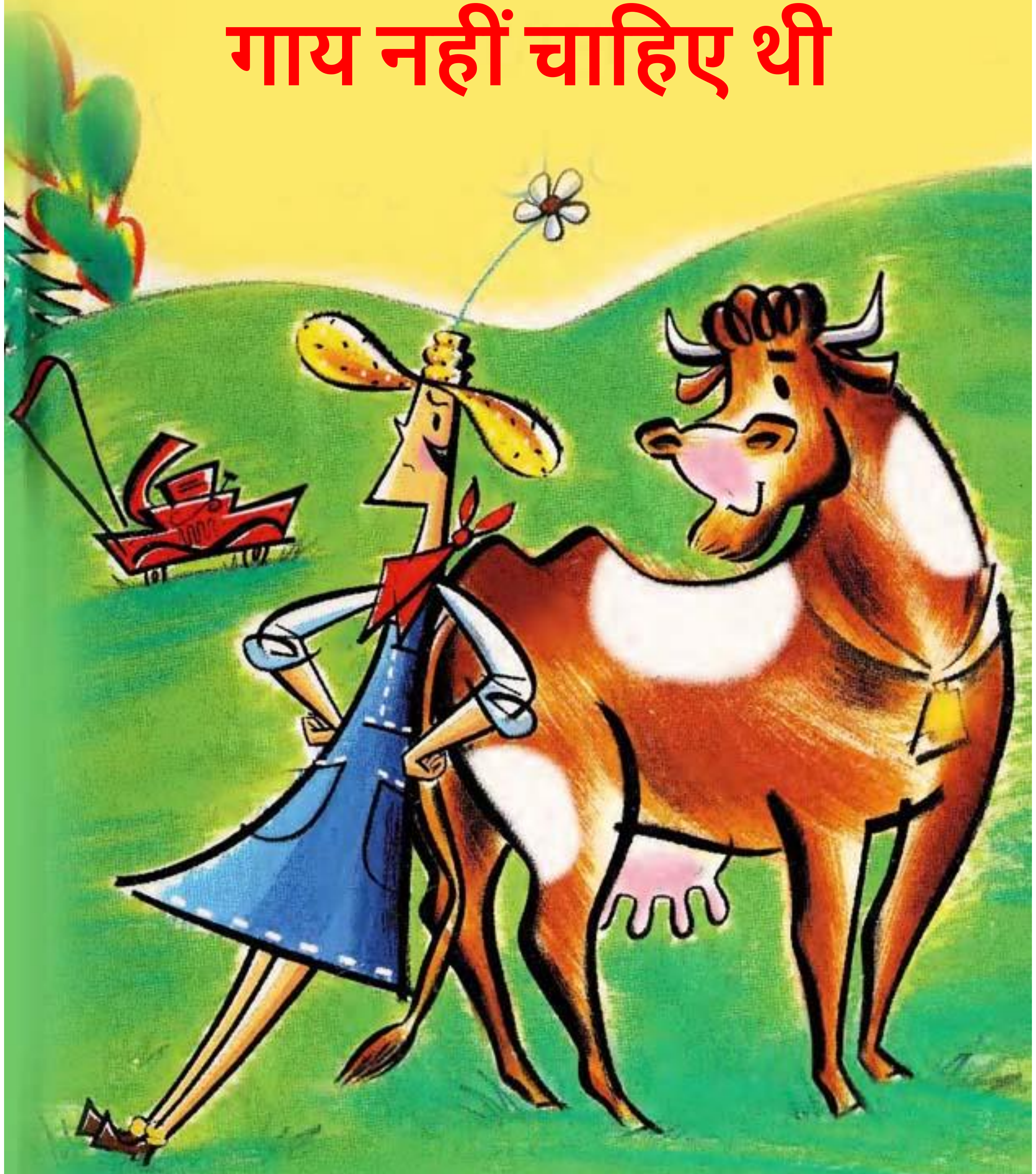

मार्था फ्रीमैन, चित्र : स्टीवन सालेर्नो

मिसेज़ वाओ को कभी गाय नहीं चाहिए थी

मार्था फ्रीमैन, चित्र : स्टीवन सालेर्नो

एक दिन, मिसेज़ वाओ अपनी घास काट रही थीं.

वहीं पर एक गाय खड़ी थी.

मिसेज़ वाओ ने गाय को भगाने की कोशिश की.

लेकिन गाय नहीं भागी.

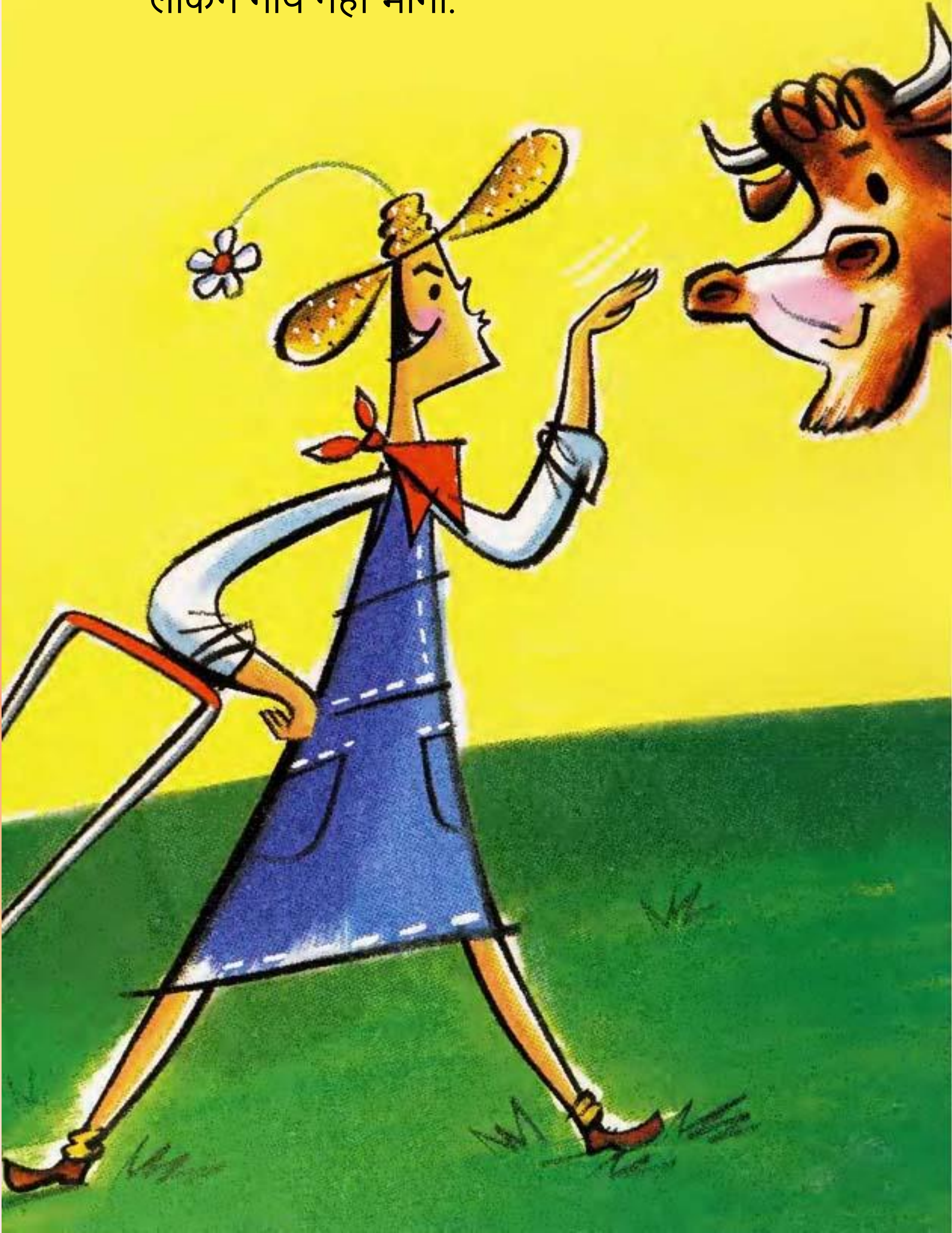

मिसेज़ वाओ को कभी
कोई गाय नहीं चाहिए थी!

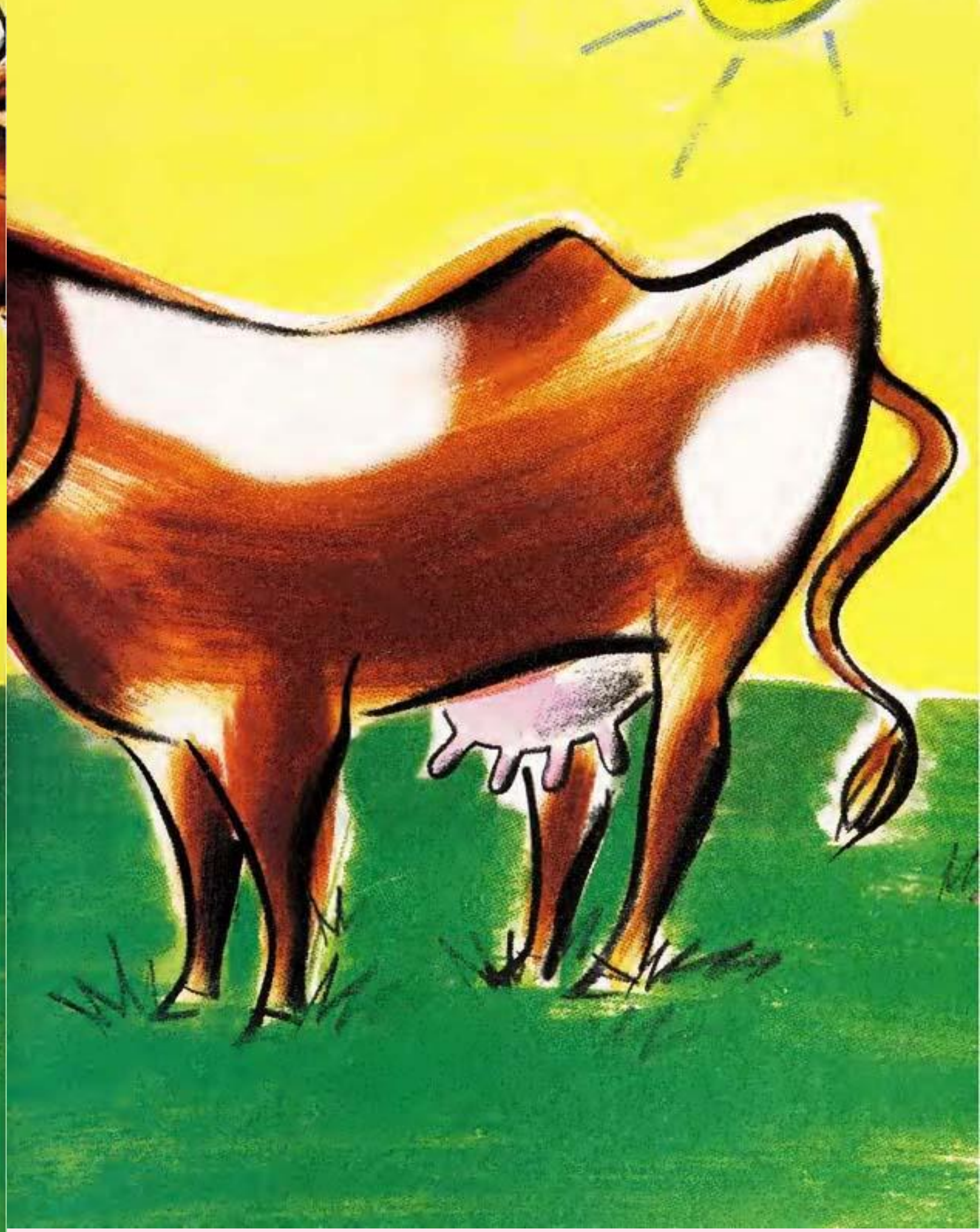

मिसेज़ वाओ के पास मियाऊं
नाम की एक बिल्ली थी.

मियाऊं का काम चूहों को पकड़ना था.

लेकिन उसे सोना पसंद था.

मिसेज़ वाओ के पास भौं-भौं नाम
का एक आलसी कुत्ता भी था.

भौं-भौं का काम घर की रखवाली करना था.

लेकिन उसे बस
खाना ही पसंद था.

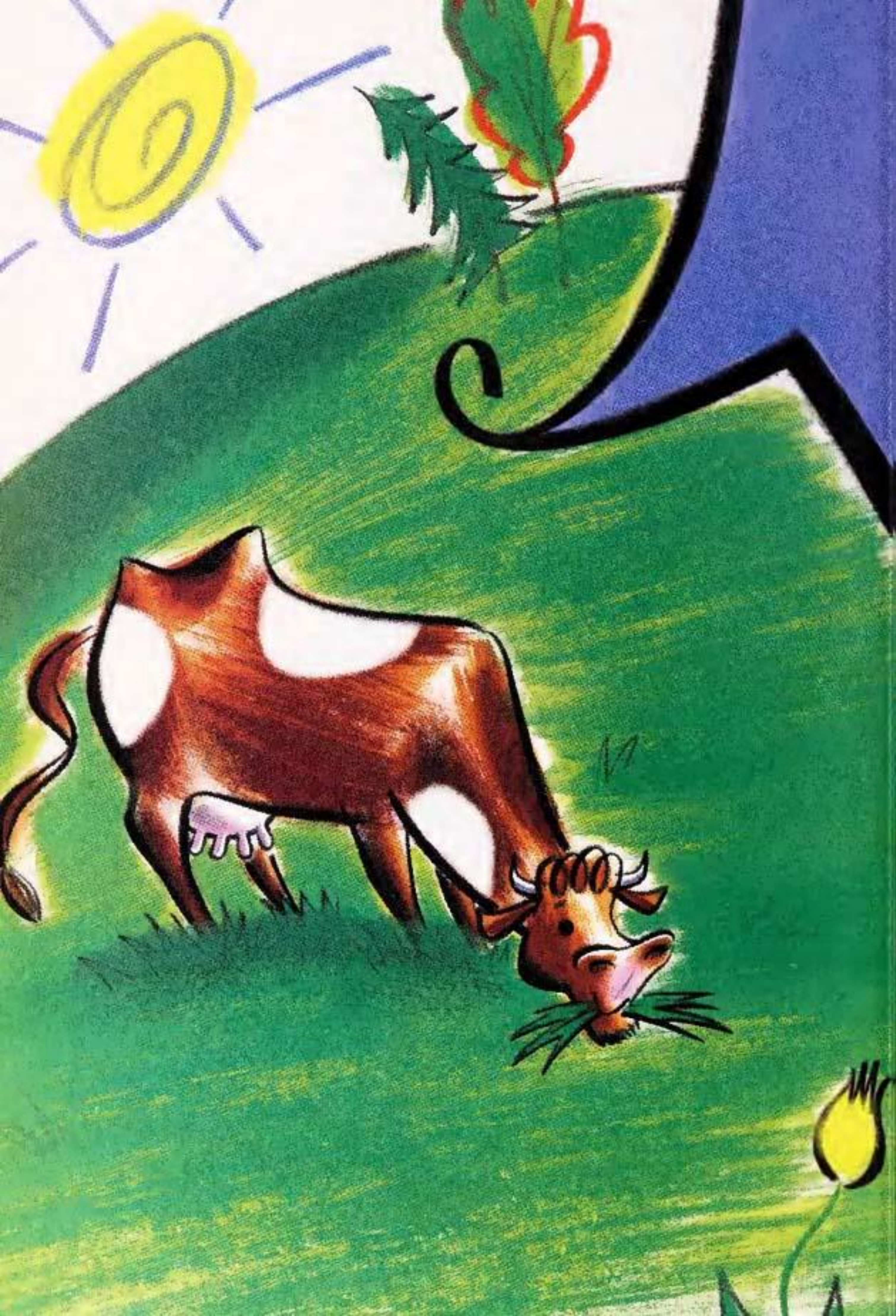

जब मियाऊं और भौं-भौं ने उस बड़ी,

हट्टी-कटती गाय को देखा, तो उन्हें एक विचार आया.

वे उस गाय को अपना काम करना सिखाएंगे.

फिर मियाऊं और भौं-भौं पूरे दिन मज़े से
सो सकेंगे और खा सकेंगे!

मियाऊं और भौं-भौं ने मिसेज़ वाओ से गाय को रहने देने की भीख माँगी.

मिसेज़ वाओ को कभी गाय नहीं चाहिए थी. लेकिन वो अपने आलसी, पालतू जानवरों से काफी प्यार करती थीं.

"हम गाय रखेंगे,"
मिसेज़ वाओ ने कहा,
"कम-से-कम अभी के लिए तो."

मियाऊं ने गाय को चूहे
पकड़ने का तरीका दिखाया.

उसने अपनी पूंछ घुमाई,
अपनी दुम हिलाई. फिर....

....वो उछली!

उसने चूहा पकड़ लिया.

अब गाय की बारी थी.

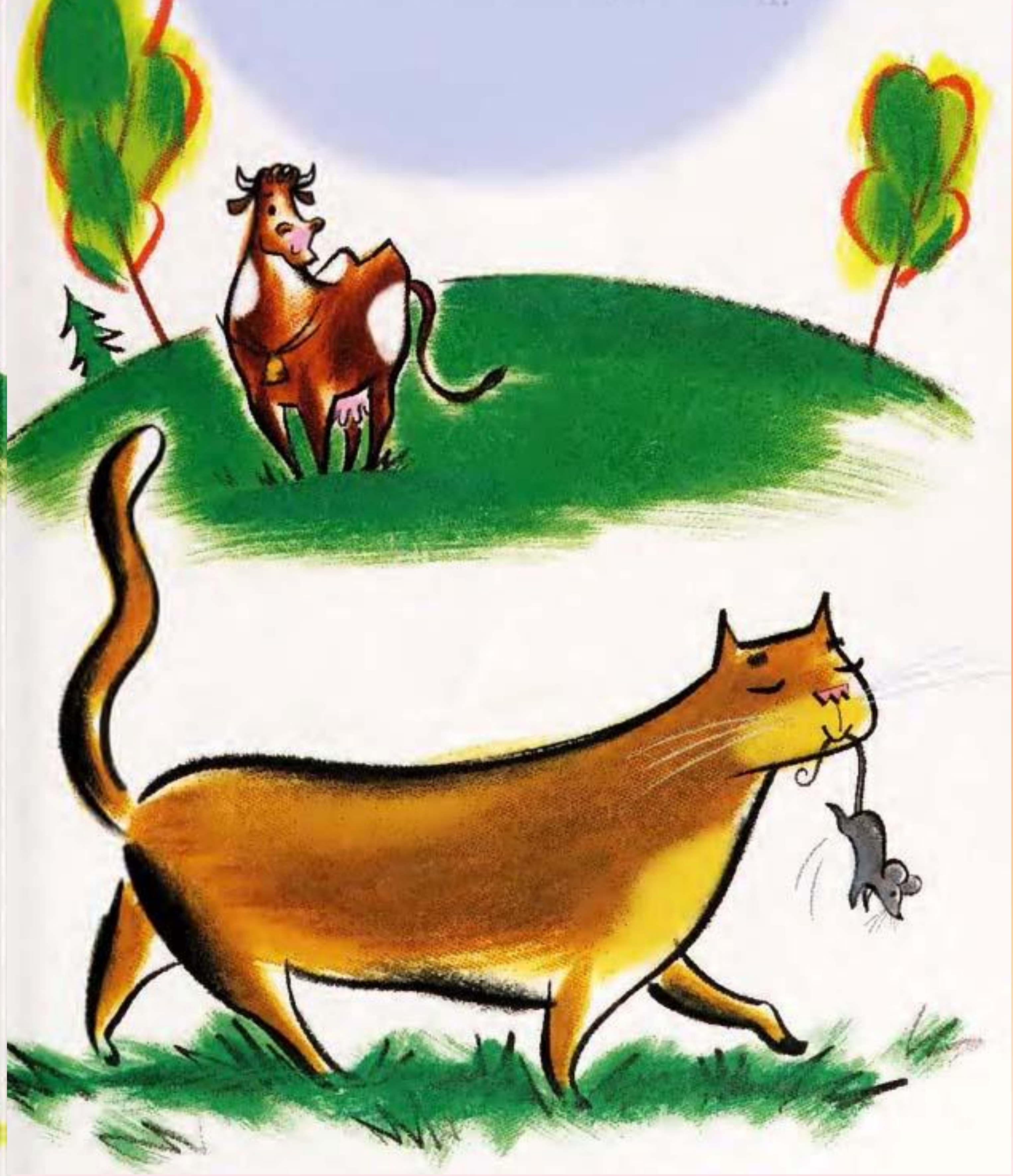

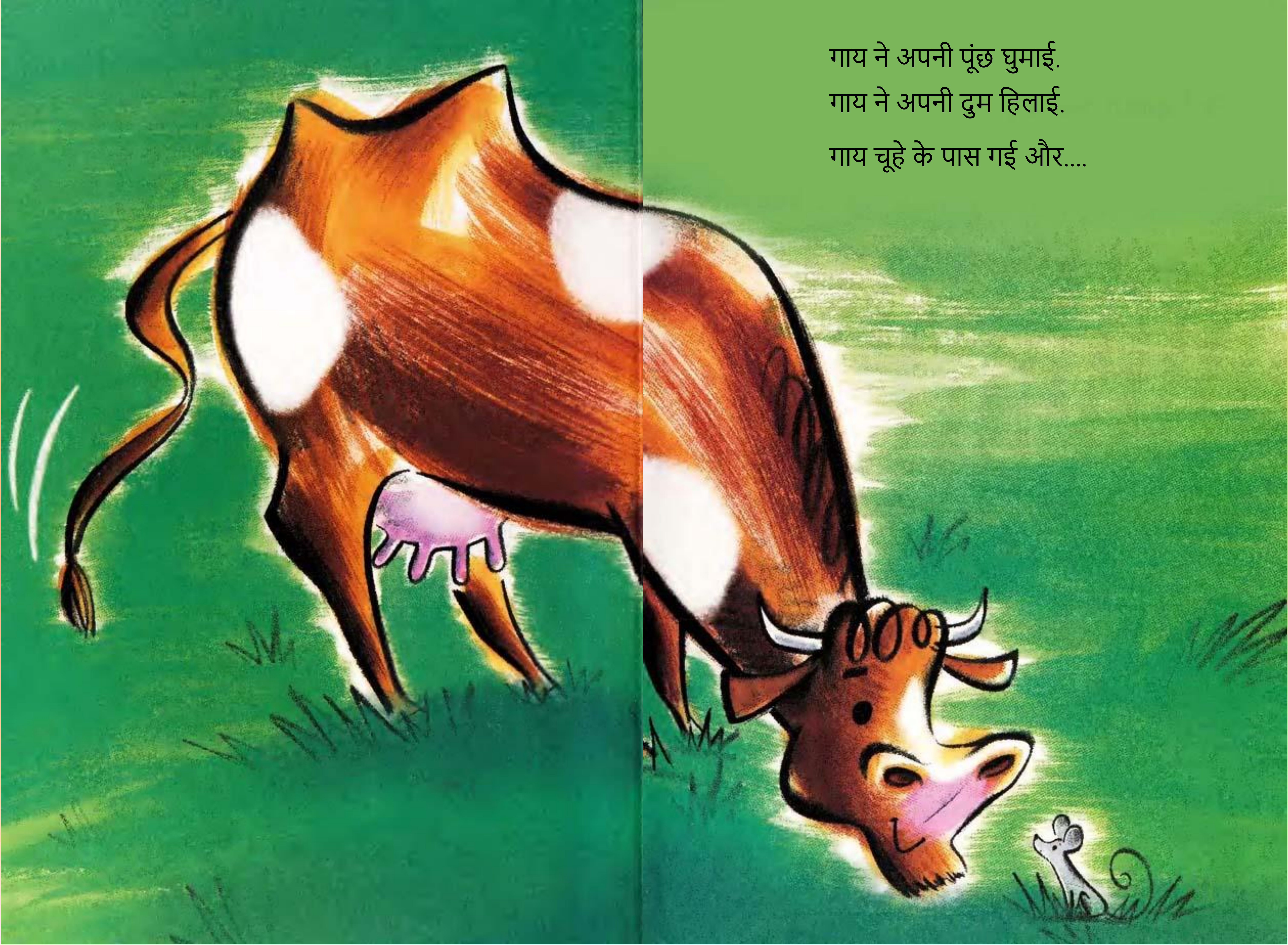

गाय ने अपनी पूंछ घुमाई.
गाय ने अपनी दुम हिलाई.

गाय चूहे के पास गई और....

. . . ज़िप!

चूहा झट से भाग गया.

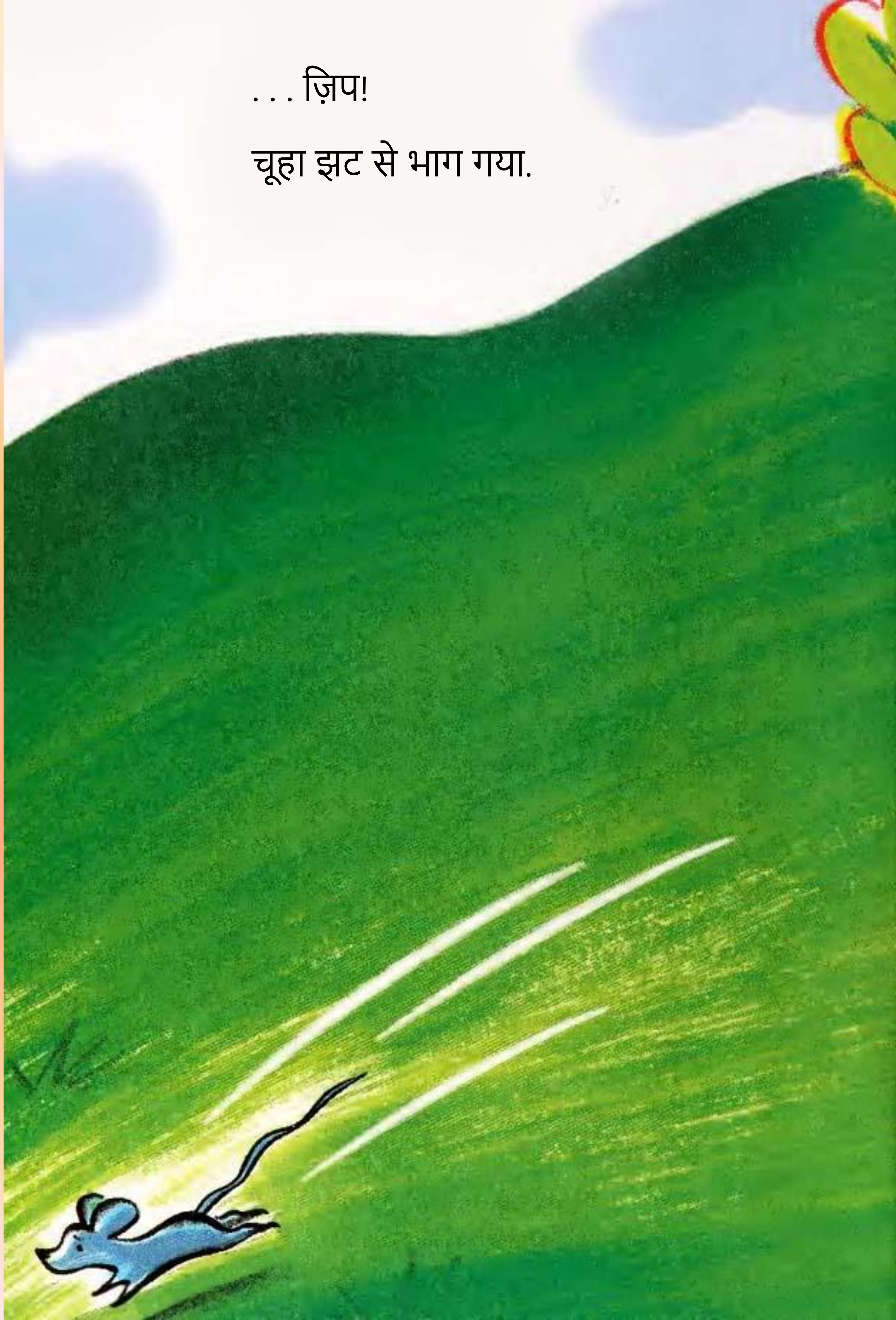

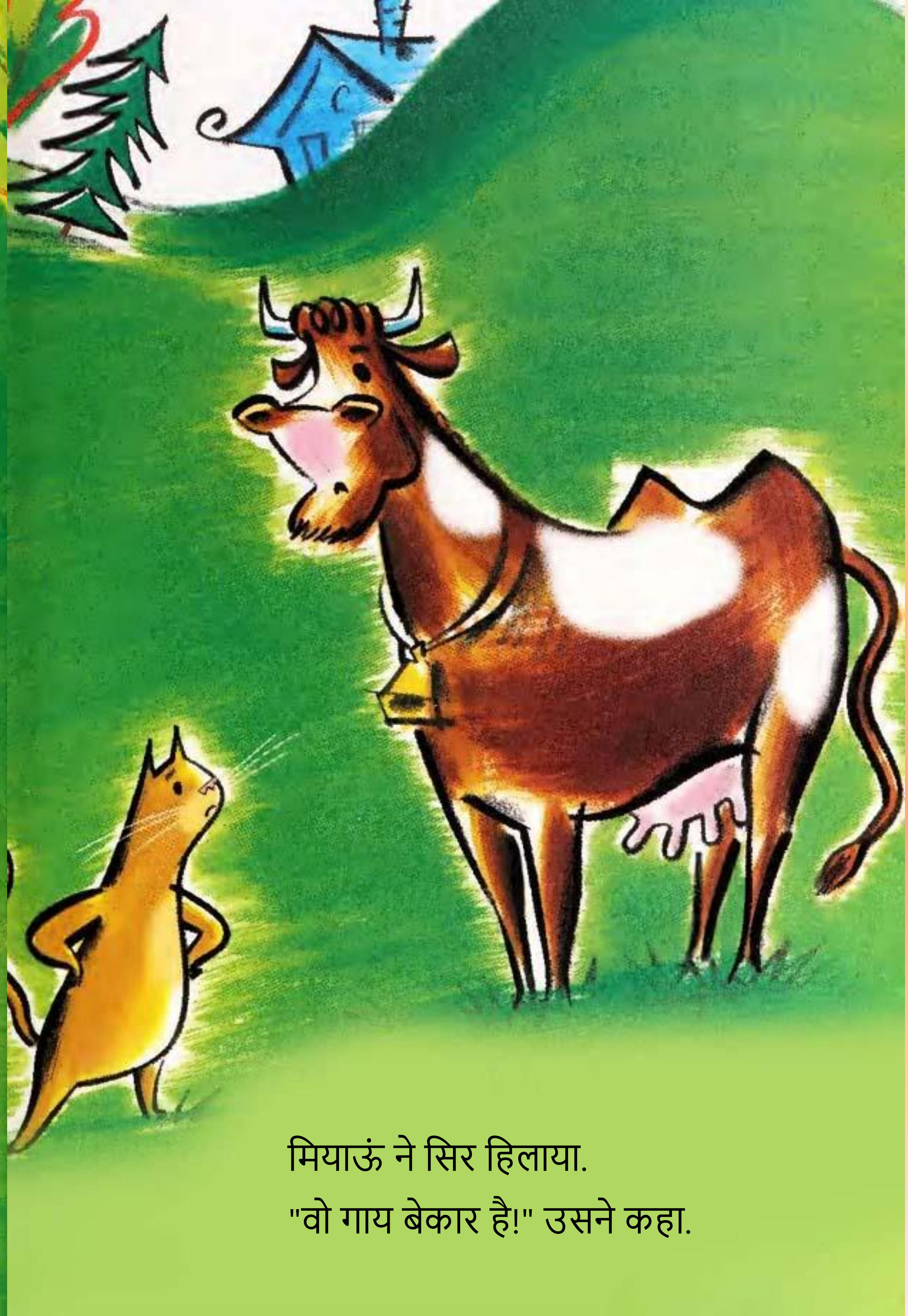

मियाऊं ने सिर हिलाया.

"वो गाय बेकार है!" उसने कहा.

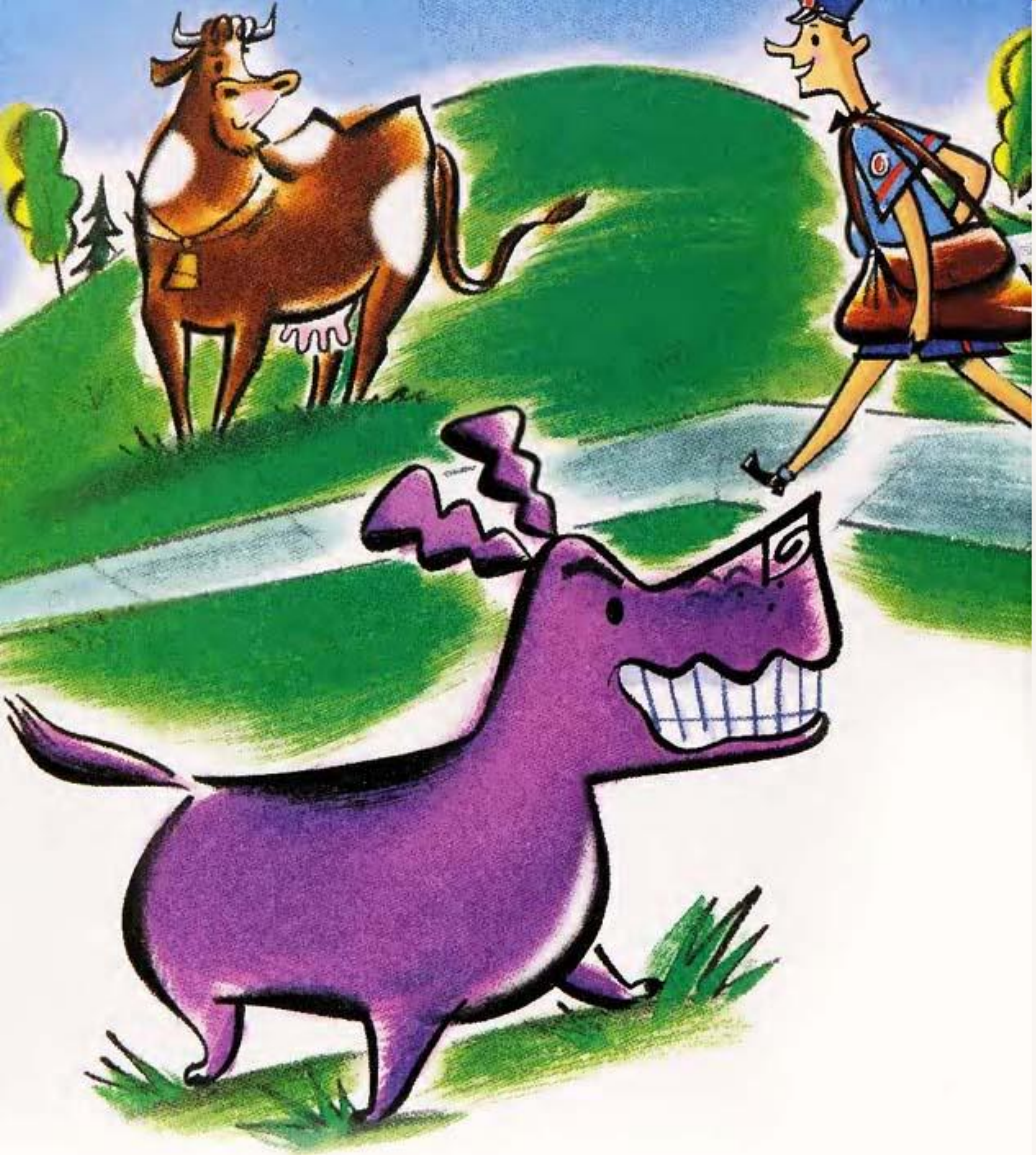

जब डाकिया आया,

तब भौं-भौं ने गाय को घर की रखवाली करना दिखाया.

उसने अपने डरावने दांत दिखाए.

वो गुर्राया.

वो ज़ोर से भौंका....

"भौं-भौं, भौं-भौं!"

डाकिया डर के मारे एक झाड़ी के पीछे छिप गया.

अब गाय की बारी थी.

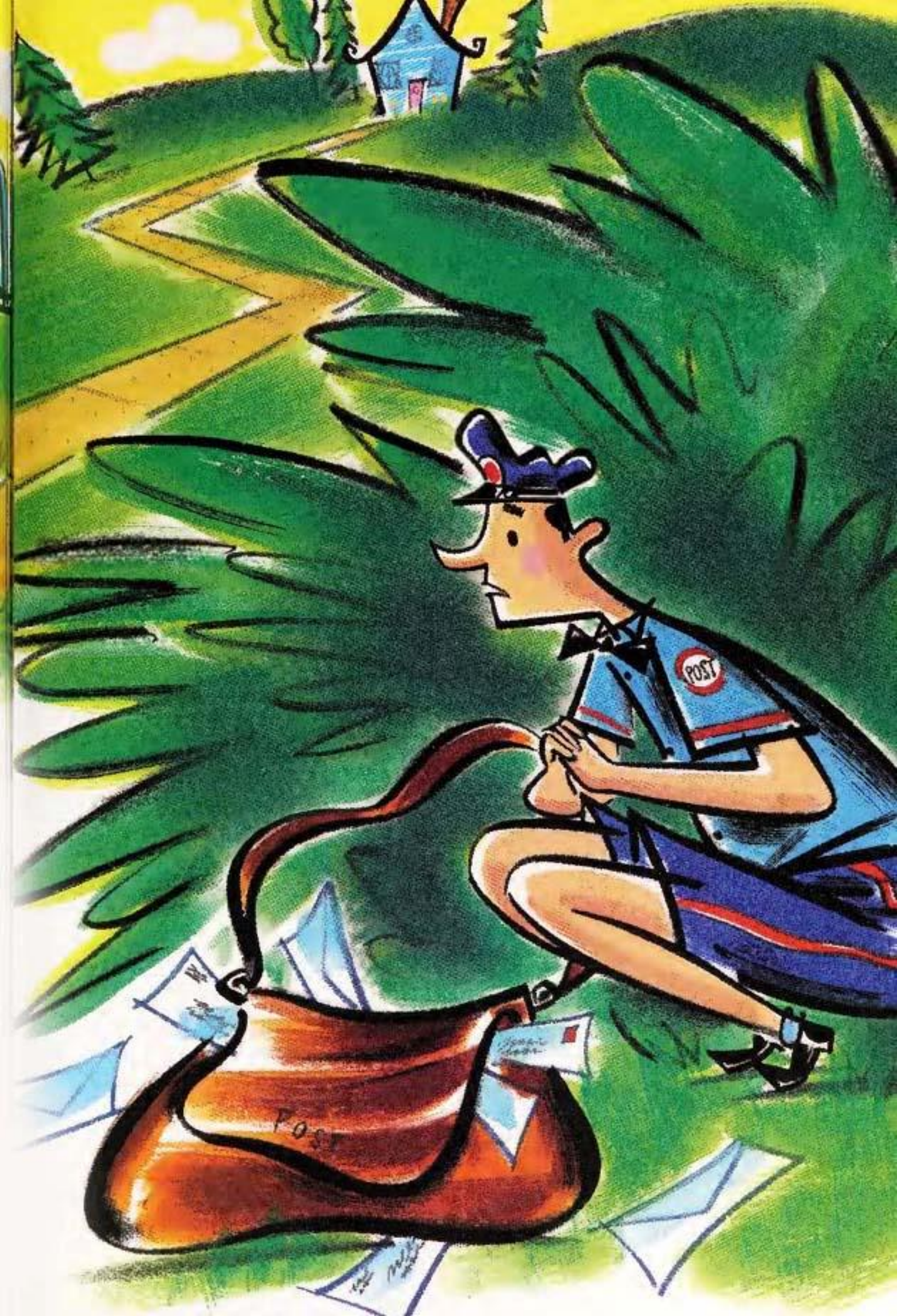

गाय ने आँखें मिचकायीं.

गाय मुंह में घास चबा रही थी.

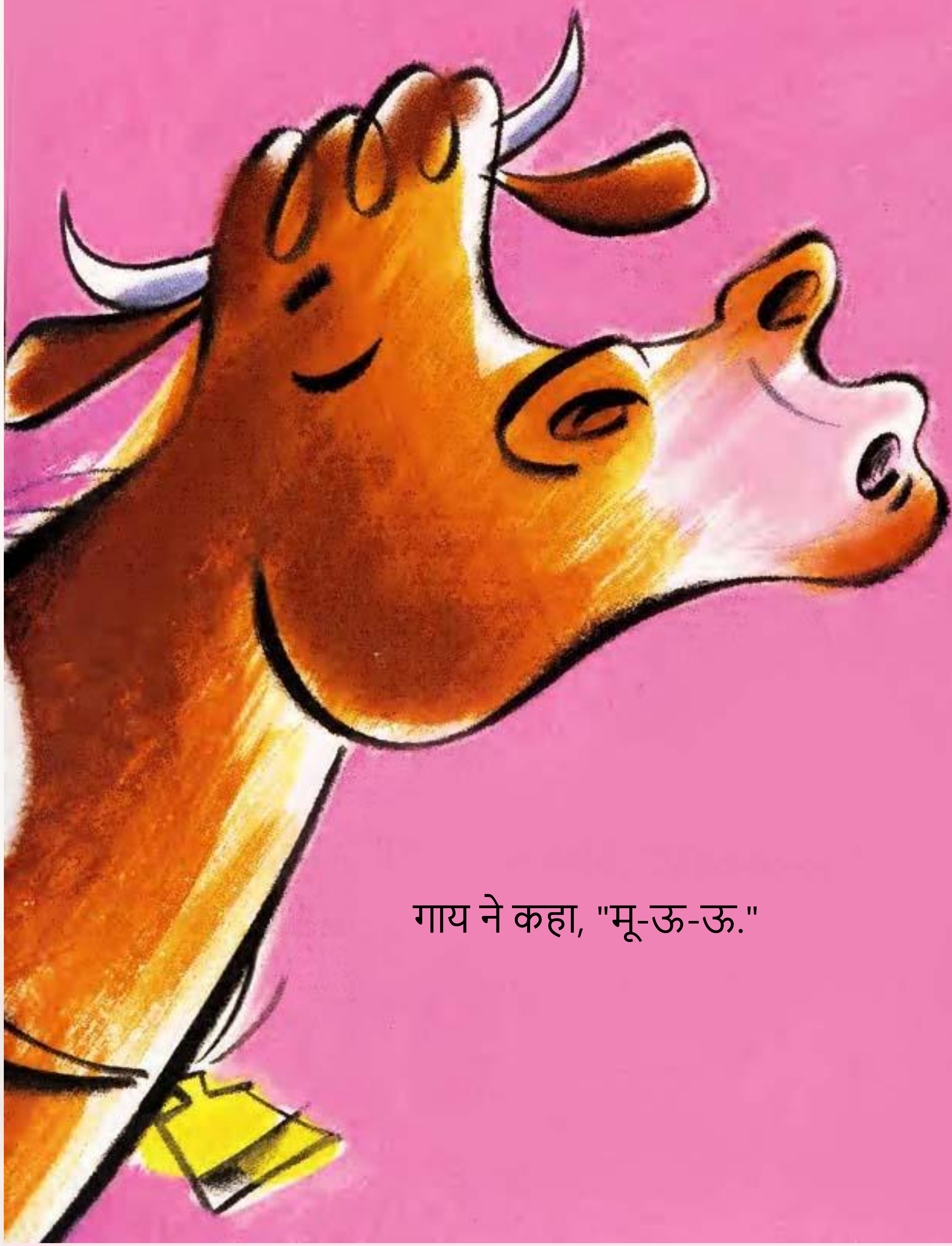

गाय ने कहा, "मू-ऊ-ऊ."

गाय को देखकर डाकिया छिपा नहीं.

उसने गाय की पीठ को दोस्ताना ढंग से थपथपाया.

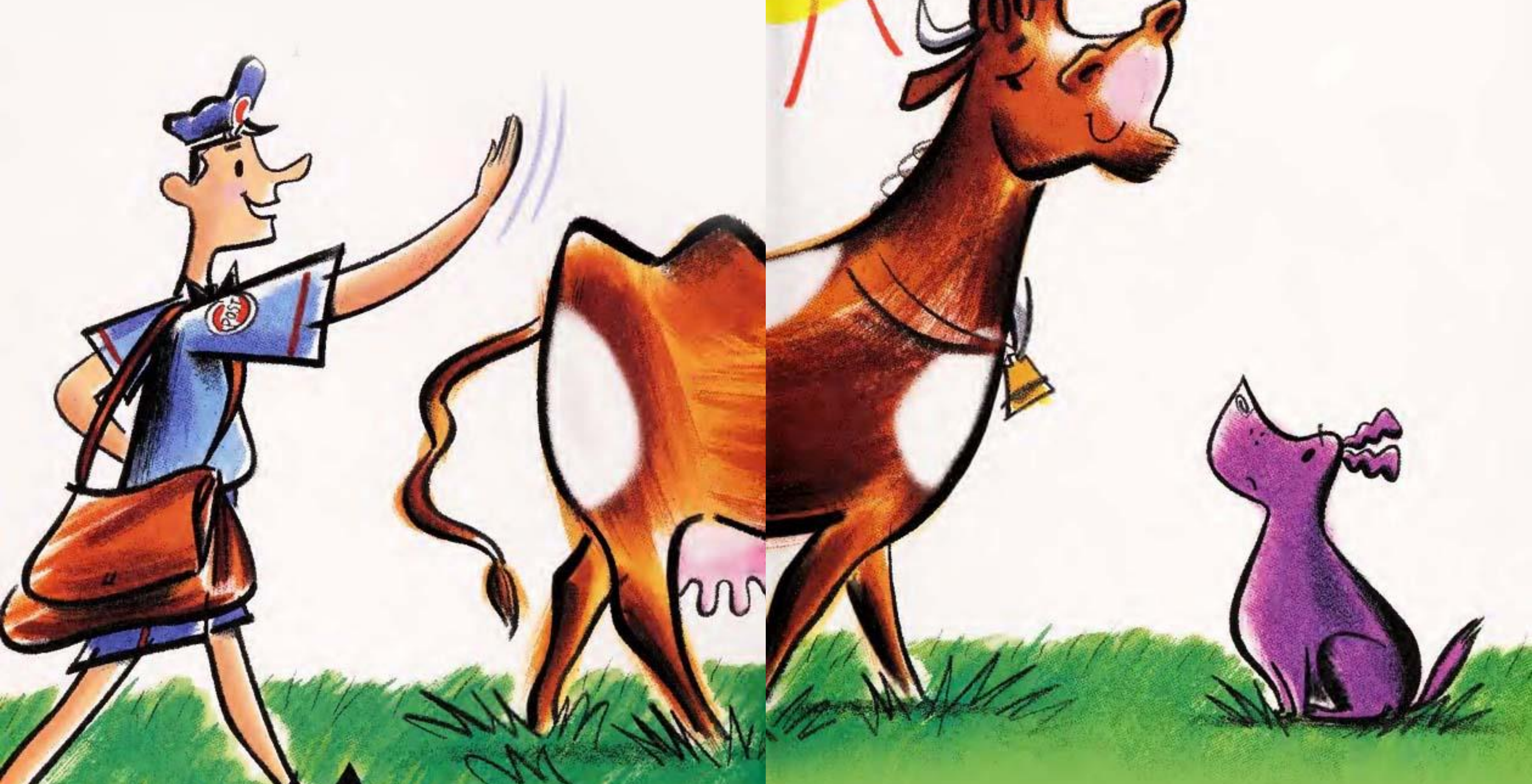

भौं-भौं ने सिर हिलाया.

"यह गाय बिल्कुल बेकार है!" उसने कहा.

फिर मियाऊं और भौं-भौं दोनों

मिलकर बहुत दुखी हुए.

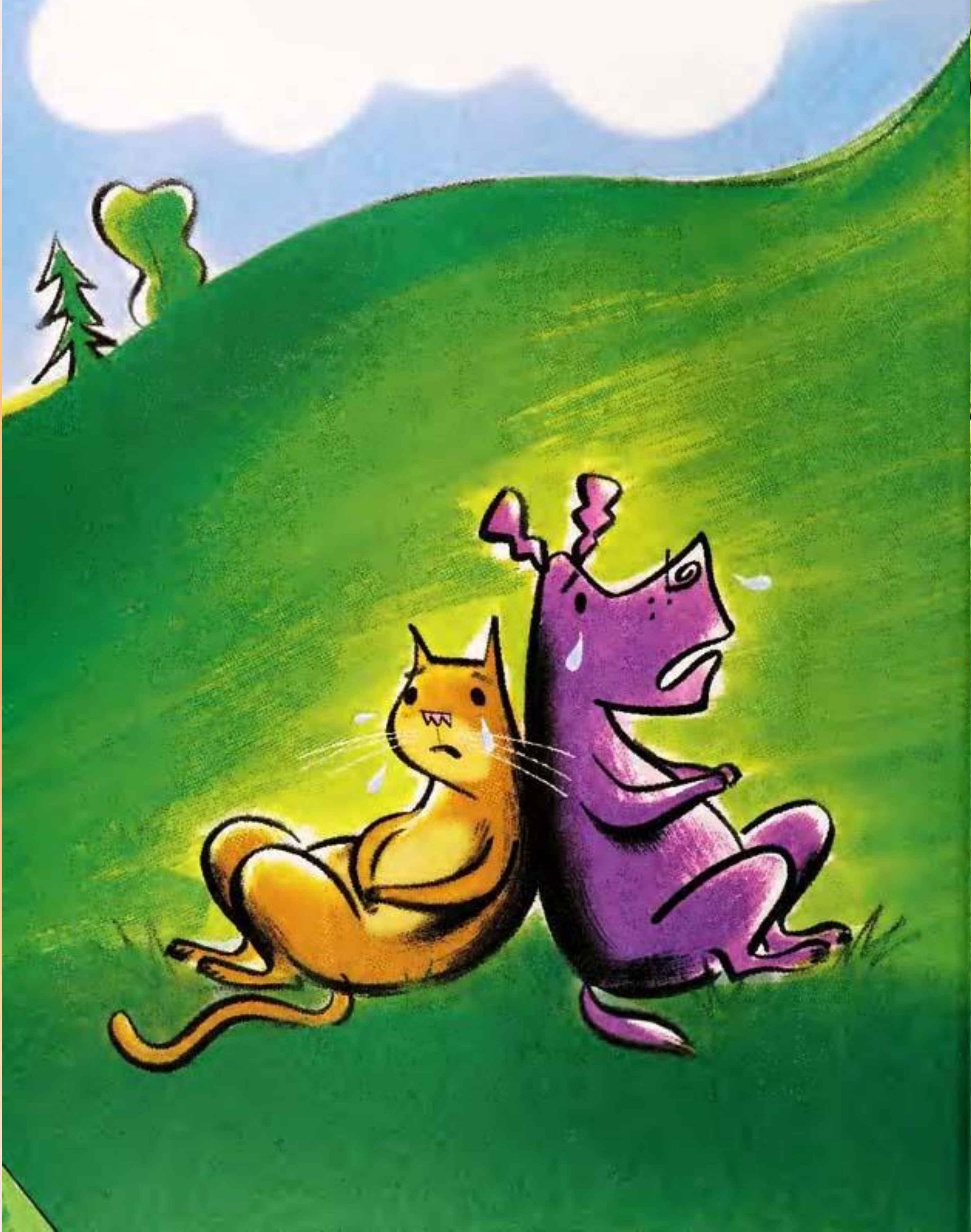

मिसेज़ वाओ ने घास काटना बंद कर दी.

"क्या बात है?" उन्होंने पूछा.

मियाऊं ने मिसेज़ वाओ को चूहे के बारे में बताया.

भौं-भौं ने मिसेज़ वाओ को डाकिए के बारे में बताया.

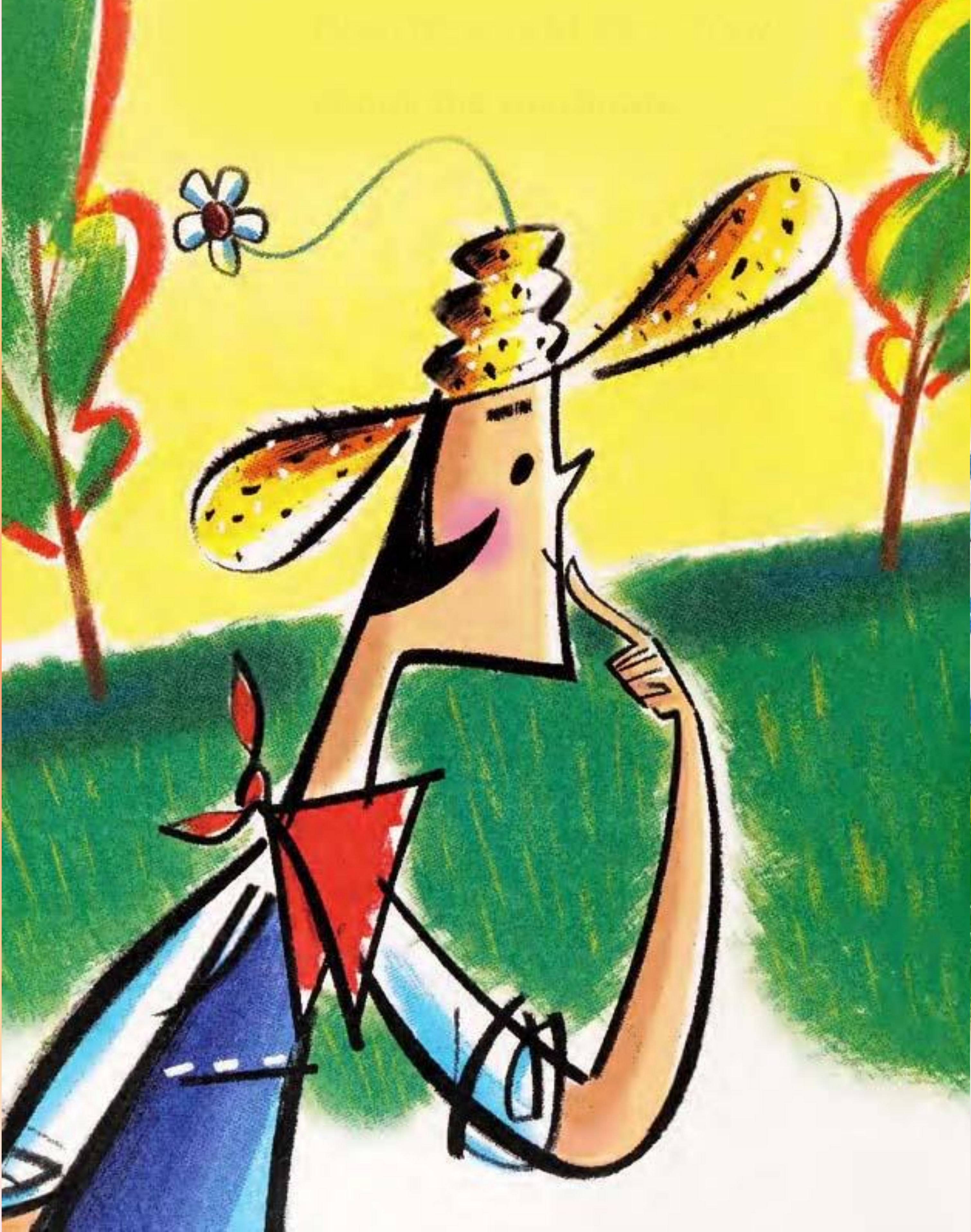

"वो गाय बेकार है!" उन्होंने कहा.

"लगता है हमें अपना काम खुद ही करना होगा!"

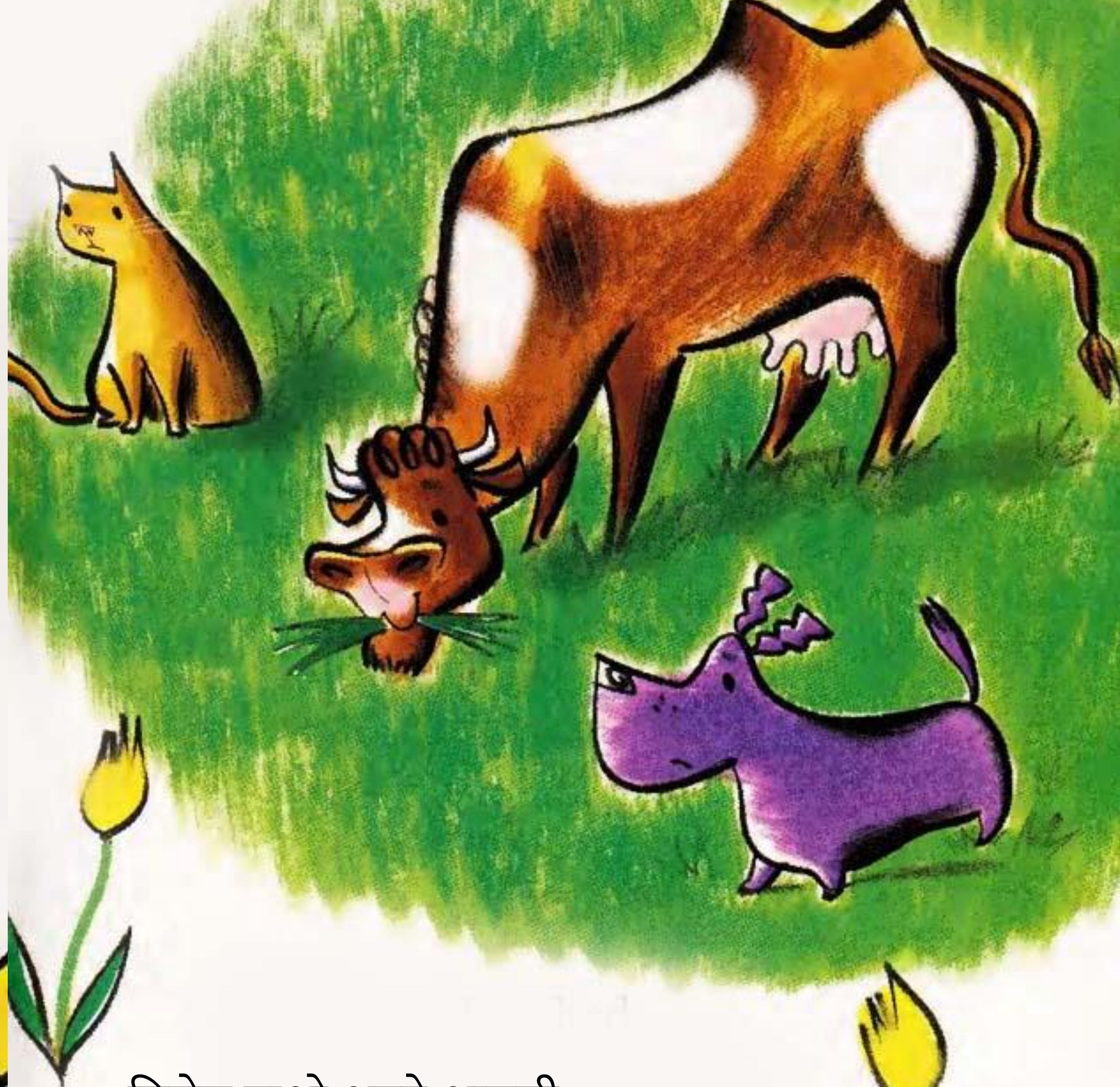

मिसेज़ वाओ अपने आलसी,
पालतू जानवरों पर हंसीं.

"क्या तुम्हें नहीं पता कि गाय केवल दो काम ही कर सकती है?" मिसेज़ वाओ ने कहा.

"गाय घास खा सकती है, और गाय दूध दे सकती है."

फिर मिसेज़ वाओ के दिमाग में
एक विचार आया.

"यह गाय काफी उपयोगी है!"
उन्होंने कहा.

उन्होंने गाय की पीठ को
दोस्ताना ढंग से थपथपाया.

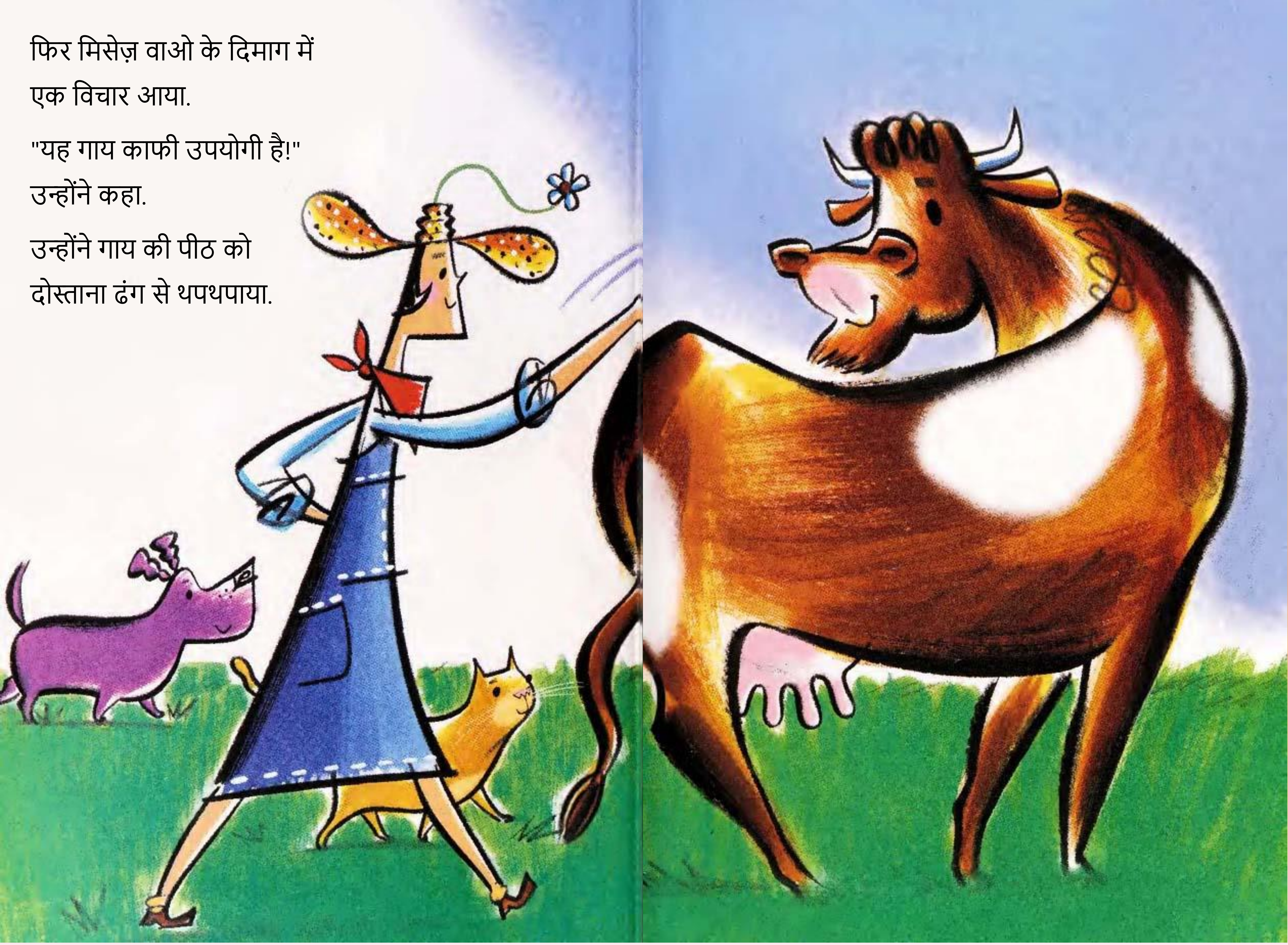

अब मिसेज़ वाओ के पास दो नए काम हैं.
वो गाय का दूध निकालती है.

और वो दूध से आइसक्रीम बनाती हैं. लेकिन
मिसेज़ वाओ को वो काम अच्छे लगते हैं.

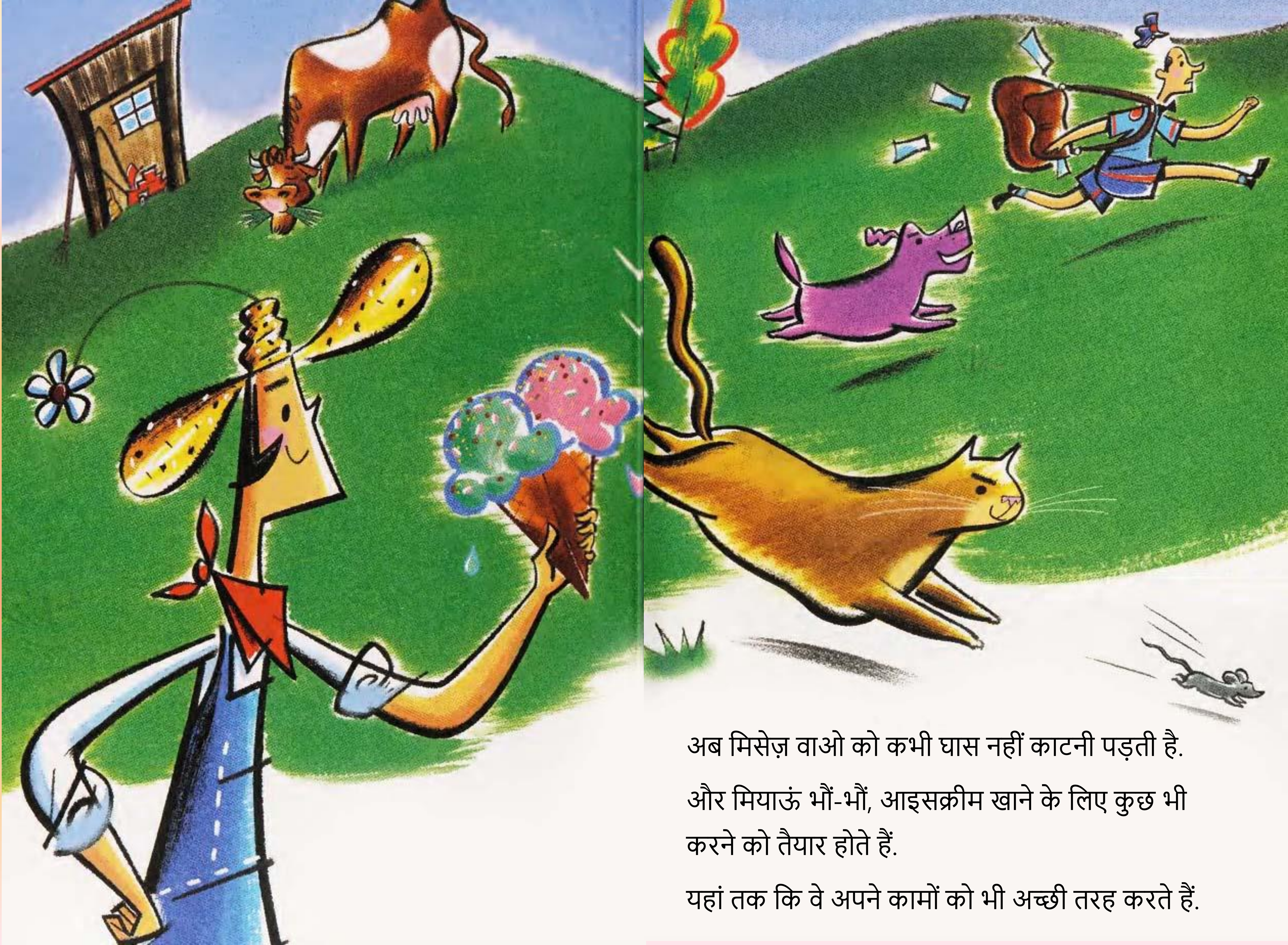

अब मिसेज़ वाओ को कभी घास नहीं काटनी पड़ती है.

और मियाऊं भौं-भौं, आइसक्रीम खाने के लिए कुछ भी करने को तैयार होते हैं.

यहां तक कि वे अपने कामों को भी अच्छी तरह करते हैं.

हर दिन, मिसेज़ वाओ गाय की पीठ को
एक दोस्ताना अंदाज़ में थपथपाती हैं.

"अगर सच पूछो," वो कहती हैं,

"तो मैं हमेशा से एक गाय चाहती थी!"

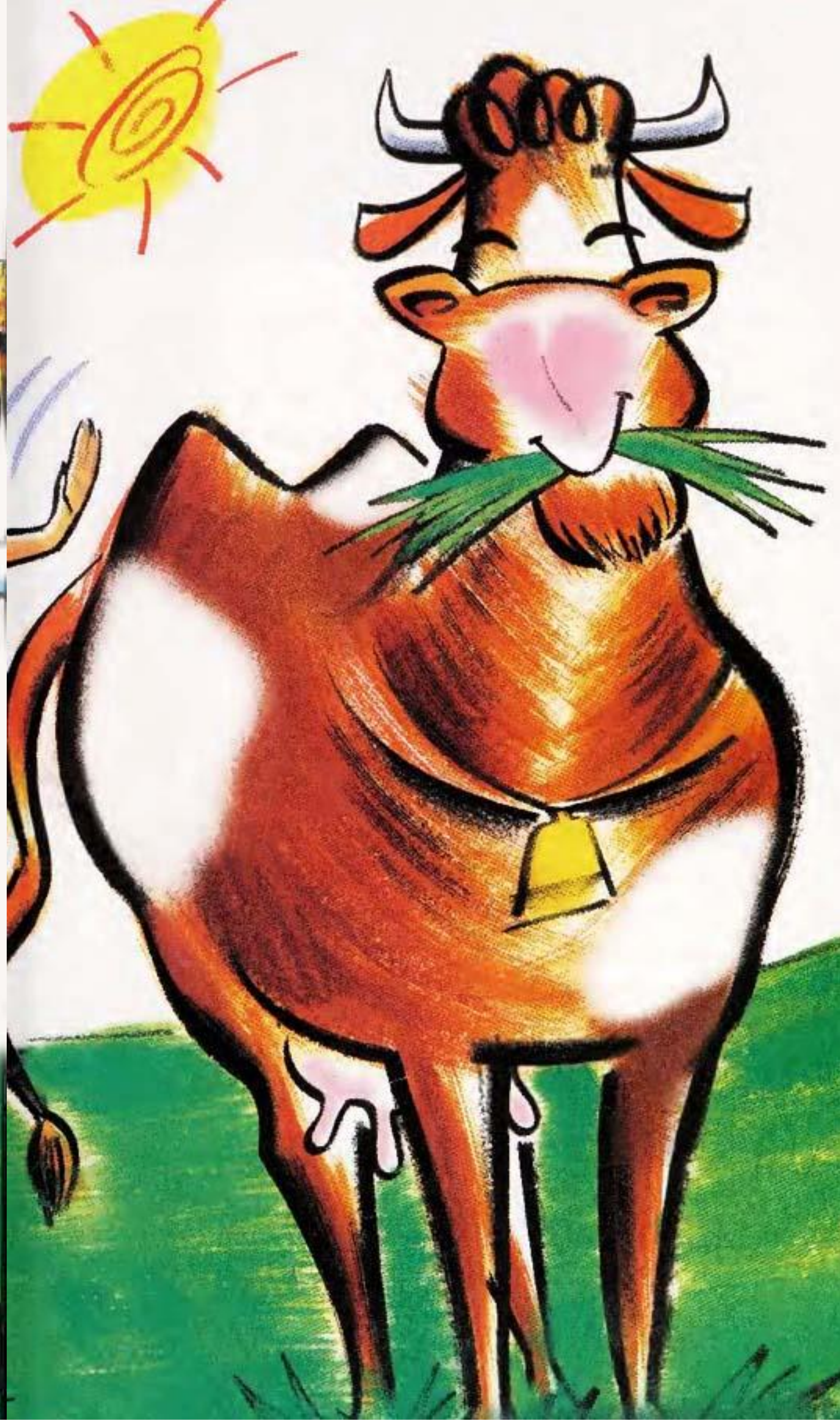

समाप्त